1

Lectur Series No:- 78.

Online class.
Date - 15/7/2020
Day - Wednesday.
Time - 10:50 to 11:40 A.M

Topic,

(1.) Nature and object.

Dr. Surita Kumari
Depatt. of Philosophy.
B.A part - II
Paper - (5)
A.N.D. College Shahpur.
Patory, Samastipur,

Ans:- नैतिक (कार्य) का निर्णय का कार्य है मानव द्वारा सम्पादित ऐच्छिक क्रिया का नैतिक मापदण्ड के आधार पर औचित्य अथवा अनौचित्य का निर्धारण करना। अत: हम कह सकते हैं कि नैतिक निर्णय के अन्तर्गत किसी कर्म के ऊपर उचित या अनुचित, शुभ या अशुभ, सत् अथवा असत् की दृष्टि से विचार करना। अत: नैतिक निर्णय एक अत्यन्त ही जटिल मानसिक क्रिया है। :- जिसके किसी कर्म को या तो नैतिक गुण से विभूषित किया जाता है, अथवा उसके विपरीत गुण को

P.T.O.

आरोपित किया जाता है।

ऐसे विचार अथवा मान्यता पूर्व से ही मस्तिष्क में विराजमान रहते हैं।

नैतिक निर्णय किसी मनुष्य के द्वारा ही किया जाता है।

"नैतिक निर्णय किसी मनुष्य के द्वारा ही किया जाता है।" नैतिक निर्णय में निम्नलिखित तथ्यों का रहना अनिवार्य है।

(i) निर्णयकर्ता (Subject) :- "नैतिक निर्णय किसी मनुष्य के द्वारा सम्पादित आचरण पर ही प्रदान किया जाता है। मानव कभी निष्क्रिय नहीं होता, बल्कि वह हमेशा सक्रिय रहता है। अतः इसी क्रिया पर नैतिक निर्णय संभव है। फिर मानव द्वारा सम्पादित क्रिया के ऊपर नैतिक निर्णय कोई मनुष्य ही दे सकता है।"

END.